

मन्दिर मे रहते हो भगवन

मन्दिर मे रहते हो भगवन, कभी बाहर भी आया जाया करो ॥
मैं रोज़ तेरे तेरे दर आता हूँ, कभी तुम भी मेरे घर आया करो ॥

मैं तेरे दर का योगी हूँ,
हुआ तेरे बिना वियोगी हूँ।
तेरी याद मे आसूँ गिरते हैं,
इतना ना मुझे तद्पाया करो ॥

आते क्यों मेरे नजदीक नहीं,
इतना तो सताना ठीक नहीं।
मैं दिल से तुमको चाहता हूँ,
कभी तुम भी मुझे अपनाया करो ॥

मैं दीन हूँ, दीनानाथ हो तुम,
सुख दुःख मे सब के साथ हो तुम।
मिलने की चाह खामोश करें,
कभी तुम भी मिला-मिलाया करो ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/62/title/mandir-me-rehte-ho-bhagwan-kahi-bahar-bhi-aaya-jaaya-karo>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।